oKkfud ijke"k lfefr dh ckjgoh cBd fnukd 23 tu 2018 dk dk;lokgh fooj.k

oKkfud ijke" k lfefr dh ckjgoh cBd dk vk;ktu lehukj gky] fun" kky; foLrkj lok,] b-xk-d-fo-fo-] jk;ij में दिनांक 23/06/2018 दिन भाfuokj dk fd;k x;kA dk;Øe d e[; vfrfFk Mk- ,l- d- ikVhy] ekuuh; dyifr b- xk- d- fo- fo-] jk;ij] v/;{k Mk- ,- ,y- jkBkj] fun" kd foLrkj सेवाएँ, इंदिरा गांधी कृशि वि" ofo|ky; jk;ij ,o fof" ाश्ठ अतिथि श्री आलोक तिवारी, oue.Mykf/kdkjh] ftyk egkleUn dh mifLFkfr e liUu gvkA mijkDr cBd e Jh x;kjke] l;Dr संचालक कृशि, रायपुर संभाग, Mk- ,l- d- वर्मा, वरिश्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृशि विज्ञान केन्द्र, महासमुन्द, Mk- vkj- ,y- भार्मा, वरिश्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख] कृशि विज्ञान केन्द्र, jk;ij] Mk- fot; tu] वरिश्ठ oKkfud ,o ie[k] कृशि विज्ञान केन्द्र, पहांदा, दुर्ग, डॉ- गौतम रॉय, वरिश्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृशि विज्ञान केन्द्र, गरियाबंद तथा चारों कृशि विज्ञान केन्द्र के समस्त विशय वस्तु वि" ोशज्ञ ,o rduhdh lgk;d mifLFkr FkA lkFk gh कृशि विज्ञान केंद्र, ftyk egklen dh oKkfud ijke" k lfefr d eukuhr lnL; Jh v:.k pद्राकर (कृशक), अन्य तीनों कृशि विज्ञान केन्द्रो के माननीय सदस्यों की mifLFkfr e liUu gvkA

loiFke Mk- ,- ,y- jkBkj] fun" kd foLrkj lok,] u ekuuh; dyifr Mk- ,l- d- पाटील का पुश्प xPN l Lokxr fd;k] dk;Øe d v/;{k Mk- ,- ,y- jkBkj dk Lokxr Mk- vkj- ,y- भार्मा जी ने किया ,o Mk- ,l- d- वर्मा, कृशि विज्ञान केंद्र महासमुंद ने Jh vkykd frokjh] oue.Mykf/kdkjh] dk Lokxr fd;kA कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति महोदय ने अपने उद्बोधन में सभी कृशि विज्ञान केन्द्रों d fdए गये कार्यो की सराहना करते हुए सुझाव दिया कि वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक वर्श में 2 बार होना चाहिए। साथ ही कृशि विज्ञान केन्द्रो में हो रहे कार्यो के प्रतिवेदन एवं प्रस्तुतिकरण को और cgrj cuku ij tkj fn;kA Mk- ,- ,y- jkBkj u viu v/;{kh; mnck/ान में बताया कि इस वर्श राज्य भाासन से कृशि विज्ञान केन्द्रो में विभिन्न परियोजनाओं के तहत् करीब 20 djkM #i; inku fd; tk jg gA rFkk lHkh foKku dUnk dk viu fty d ifjfLFkfr;k d vulkj ikp समन्वित कृशि प्रणाली ekMy r;kj dju d fy, vknf" kr fd;kA Jh vkykd frokjh] oue.Mykf/kdkjh] u viu mnck/ku e crk;k fd oufoHkkx xke e<ikj e कृशि विज्ञान केन्द्र महासमुन्द की तकनीकी सलाह से e" k#e mRiknu ,o dpvk [kkn mRiknu bdkb ij dk; dj jgk gA ftld ek/;e l fdlkuk dh vk; nxuh dju e dkQh lgk;rk feyxhA Mk- ,l- d- oek u lHkh lnL;x.k dk voxr djr g, crk;k dh cBd dk mnn" य यह है की कृशि विज्ञान केंद्र का संपर्क एवं समन्वयक कृशि से संबंधित विभागों से बना रहे साथ ही कृशि विकास के क्षेत्र में काम करने के fy, l>ko] mRlkg o ij.k ikIr gkr jgA rnijkUr Mk- ,l- d- वर्मा ने विगत वर्श 2017 – 18 e fd, x; dk;k ,o fofHkUu miyfC/k;k ij idk" k MkykA mUgku crk;k fd] fty e ie[k Qlyk dk mRiknu c<ku d fy, mUur mRiknu rduhd] fefJr [krh dk

egRo] fty e ie[k vukt] nyguh ,o fryguh Qlyk d dhV ,o jkxk d fu;=.k] e" k:e उत्पादन, फल सब्जी प्रसंस्करण, कम खर्च में उपलब्ध पोशण आहार विशयों ij ,o xkeh.k ;okvk gr 52 if" k{k.k vk;kftr fd, x, g ftul yxHkx 1664 कृशक एवं कृशि महिलाएं ykHkkfUor g,A

वर्श 2017–18 में कृशि विज्ञान केंद्र, महासमुंद द्वारा धान, दलहन एवं अन्य फसलों पर कृशकों के खेतों पर in" ku Mky x,] ftldk dy jdck 148-6 gDV;j FkkA rFkk 250 कृशक लाभान्वित हुए। केंद्र द्वारा ilkj xfrfof/k;k tl i{k= fnol] fdlku xk्शठी , पूर्व प्रf" k{k.kkFkh cBd] jfM;k okrk] Vh-oh- okrk d vrxr dy 180 xfrfof/k;k dk vk;ktu fd;k x;kA कृशि विज्ञान केन्द्र में स्थित मृदा परीक्षण i;kx" kkyk 1709 enk ueuk dk fo" लेशण किया गया। एवं 7459 कृशकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का forj.k fd;k x;kA जिससे लगभग 6000 कृशक ykHkkfUor g,A Mk- oek u 2018&19 dh iLrkfor dk; ;ktuk dh ppk d ckj e विस्तार में बताया कि कृशि विज्ञान केंद्र महासमुंद द्वारा कृशकों, महिला कृशकों, xke Lrj iसार कार्यकर्ता एवं ग्रामीण युवाओं से चर्चा उपरांत उनकी कृशि संबंधी समस्याओं, उपलब्ध संसाधनों को पहचान कर कृशकों के सुझाव को सम्मिलित कर एवं वैज्ञानिक आधार पर इu leL;kvk d हल हेतु वर्श 2018–19 की कार्ययोजना बनाई गयी है। कृशि व कृशि से संबंधित विशयों पर कृशकों व महिला कृशकों को लगभग 56 if" k{k.k nuk iLrkfor g] ftle yxHkx 970 ykxk d ykHkkfUor gku का अनुमान है। वर्श 2018 &19 e yxHkx 200 dशि प्रसार कार्यकर्ताओं एवं अधिकारियों को प्रf" kf{kr dju dk y{; fu/kkfjr fd;k x;k gA nygu] frygu] m|kfudh ,o vU; Qlyk ij कृशकों खेतो पर yxHkx 170 gDV;j e iFke ifDr in" ku yuk iLrkfor gA

mMn] /kku] puk] ljlk] xnk] gYnh ,o VekVj आदि विशयों पर वर्श 2018–19 में कृशकों के खेतों में i;kx fd;k tkuk iLrkfor gA blds vykok Qly mRiknu dh fofHkUu rduhdk] Qly lj{k.k ,o अन्य कृशि संबंधित विशयों पर कृशकों हेतू प्रf" k{k.k dh iLrkfor ;ktuk ij mUgku foLrkj iod ppk dhA

ppk d nkjku ixfr" ील कृशक श्री अरुण चन्द्राकर ने सुझाव दिया कि exQyh dh [krh d lkFk lkFk chtkRiknu dk;Øe fy;k tkuk pkfg,A rkfd fdlkuk dk jch ekle e exQyh dk cht vklkuh l miyC/k gk ldA Mk ,- ,y- jkBkj lj u l>ko fn;k fd Qyk dh [krh करने वाली कृशकों को if" k{k.k ,o in" ku d ek/;e l vf/kd l vf/kd rduhdh Kku fn;k tk,A lkFk gh fty e xykc dh [krh ij Hkh tkj fn;k tk,A ftll fty e xykc ty dh mRiknu bdkb yxkdj fdlkuk dh vk; dk c<k;k tk ldA

Mk- jkBkj lj u dn द्वारा किए गए कार्यों कि सराहना करते हुए कहा कि कृशि विज्ञान केंद्र लगातार ixfr d iFk ij vxlj g vkj lkFk gh mUgku vkj vf/kd mUufr gr भ्ाुभकामनाएँ दी।

dk;Øe d vr e Mk- vkj- ,y- भार्मा u cBd e Hkkx yu oky lHkh lEekuh; lnL;k d lkFk lkFk dk;Øe dk lQy cuku e iR;{k ,o viR;{k :i l lg;kx gr lHkh i/kkj g, lnL;k dk vkHkkj inf" kr fd;kA

ckjgoh cBd e fn; x, ie[k l>ko

1- ekuuh; dyifr egkn; u l>ाव दिया कि प्रत्येक कृशि विज्ञान केंन्द्रो को अपने प्रक्षेत्र एवं गोद गांव e vkn" f मॉडल तैयार करें जिसे जिले के अन्य कृशकों को भ्रमण के द्वारा तकनीकी से अवगत djk;k tk ldA lkFk gh ftl rjg dk ekMy xke ljxh] ftyk jktuknxko e Mk- ,- ,y- jkBkj }kjk r;kj fd;k x;k g olk gh vU; ftyk e ekMy r;kj fd;k tk,A

2- fun"kd foLrkj lok, Mk- ,- ,y- राठौर ने कृशि विज्ञान केंन्द्रों में हो रहें कार्यो का संकलन एवं iLrfrdj.k vkj cgrj cuku dk l>ko fn;kA

3- कृशकों के प्रक्षेत्र में मूंगफली उत्पादन बढ़ाu d lkFk lkFk chtRiknu dk;Øe d i;kl fd, tk,A

4- संयुक्त संचालक कृशि श्री गयाराम ने सन् 2022 तक कृशकों की आय दुगूनी करने हेतु कृशि विज्ञान dUn dk vU; foHkkxk d lkFk cgrj rkyey cBkdj dk; dju dh lykg nhA

5- 0;kolkf;d Lrj ij Shoot Tip fof/k }kjk xn dh ik/k r;kj कृशि विज्ञान केन्द्र या कृशक प्रक्षेत्र में dh tk,A

6- गुलाब उत्पादक कृशकों को cp g, xykc }kjk xykc ty cuku gr ifjr fd;k tk,A

7- e"k#e dk mxku d fy, r;kj (Ready to grow) dhV dk ipkj iLkj fd;k tk,A

oKkfud lykgdkj cBd dh >yfd;k

महासमुंद . रविवार
24.06.2018

पत्रिका
patrika.com

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में बनी कार्ययोजना

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

महासमुंद. कृषि विज्ञान केंद्र महासमुंद के वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बारहवीं बैठक निदेशक विस्तार सेवाएं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में हुई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. एसके पाटिल कुलपति इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने की।

इस कार्यक्रम में निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. एएल राठौर, कृषि विज्ञान केंद्र, महासमुंद, गरियाबंद, दुर्ग एवं रायपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख एवं अन्य वैज्ञानिक उपस्थित थे। साथ ही वनमण्डलाधिकारी महासमुंद आलोक तिवारी तथा कृषि एवं पशुपालन विभाग के अधिकारी एवं प्रगतिशील कृषक अरुण चंद्राकर भी उपस्थित थे। बैठक में कृषि विज्ञान केंद्र, महासमुंद, गरियाबंद, रायपुर एवं दुर्ग के पिछले वर्ष की गई कार्यो की प्रस्तुति दी गई एवं आगामी वर्ष की कार्ययोजना तैयार की गई। इस अवसर पर डॉ. एसके पाटिल द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किए जा रहे कार्यो एवं उनकी प्रगति की सराहना की गई तथा प्रत्येक जिले से उपस्थित कृषकों से उनके जिले से सम्बन्धित कृषि योजनाओं एवं उनसे संबंधित समस्याओं के बारे में जानकारी ली और समस्याओं को आगामी कार्य योजना में दूर करने का प्रस्ताव दिया गया।